बूँद

अमर सिंह
सन्देशवाहक

बादलों की गोद से,
पानी की एक बूँद
निकल कर जब चली,
मन में सोचने फिर यह लगी ।
कि हे खुदा मेरे भाग्य में क्या बदा ?
कि मैं गिर किसी धूल में मिलूँगी ।
या गिर किसी अँगारे पर जलूँगी,
या गिर किसी पुष्प पर,
नरेश मस्तक चढ़ूँगी ।

प्रश्नः- चम्पा तेरे में तीन गुण,
रंग रूप और बाँस,
वो कौन सा अवगुण ?
जो भँवरा आए न पास ।
उत्तरः- चम्पक वरनी राधिका,
भँवरा कृष्ण दास ।